सामान्य अध्ययन

निर्धारित समय: 1 घंटा 30 मिनट
Time allowed: 1 Hour 30 Minutes

अधिकतम अंक: 125
Maximum Marks: 125

Name: Ganpat Ram Yadav **Mobile Number:** _____

Medium (English/Hindi): _____ **Email:** _____

Center & Date: _____ **UPSC Roll No.:** _____

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

All the questions are compulsory.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Answer Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks
1.	
2.	
3.	
4.	
5.	
6.	
7.	
8.	
9.	
10.	
Grand Total (सकल योग)	

_____

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)

Evaluator (Signature)

_____

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)

Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

1. "मैं जानता हूँ कि मैं बुद्धिमान हूँ, क्योंकि मैं जानता हूँ कि मैं कुछ नहीं जानता।"

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

राजस्थान के एक छोटे से गाँव का लड़का इंजिनियर बना। चूंकि उसका गाँव पानी की समस्या के लिए जूझ रहा था और किसानों की हालत दिनोंदिन खराब होती जा रही थी। उस लड़के ने एक अच्छी बहुराष्ट्रीय कम्पनी की नौकरी सिर्फ इसलिए छोड़ दी, कि उसे आधुनिक तरीकों से उद्यमशील खेती-बाड़ी करके पूरे गाँव को पुनः रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने थे।

वह लड़का गाँव लौट आया और सभी किसानों को अपनी-अपनी छोटी-छोटी जोतों को मिलाकर साझा खेती करवाना चाहता था, ताकि वर्षाजल संग्रहण व अन्य तकनीकों का खर्च कम से कम आये, व मानव पूँजी का अधिकतम उपयोग हो सके।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

परन्तु लड़के को पता था परम्परागत तरीकों से खेती करते आ रहे किसान उनके प्रस्ताव को आसानी से स्वीकार नहीं करेंगे।

चूंकि लड़के ने सुकरात महोदय का दर्शन भली भांति पढ़ रखा था, अतः लोगों की धारणा बदलने के लिए उसी सीख का सहारा लेते हुए एक-एक किसान से अलग-अलग मिलकर कर कहा, "मुझे लाभ-दायक कृषि करनी है, पर पता नहीं कैसे शुरू करूँ।"

लड़के के उक्त प्रश्न के जवाब में सभी ने तर्क-वितर्क किए, और लगभग प्रत्येक किसान ने न केवल खेती की तत्कालीन चुनौतियों से अवगत करवाया, बल्कि प्रत्येक ने एक-एक अच्छा विचार भी सुझाया। लड़के ने "कुछ भी न जानने" की बुद्धिमत्ता दिखाते हुए सभी अच्छे तरीकों को इकट्ठा ग्राम सभा के सामने पेश किया और प्रत्येक किसान सहमत भी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

हो गया। इस प्रकार उस गाँव में किसानों को एक सहकारी कृषि संगठित व एकीकृत रूप से शुरू हुई और आज गांव के प्रत्येक किसान के पास रोजगार है।

उपरोक्त काल्पनिक कहानी सुकरात महोदय के उक्त कथन को बिलकुल सटीक चरितार्थ करती है कि आप स्वयं स्वीकार कर लें कि आप कुछ भी नहीं जानते हैं, ताकि आप को जो नया ज्ञान मिलेगा, उसको सहज स्वीकृति मिल सकेगी।

अधिकांश व्यक्तियों की सबसे बड़ी कमजोरी यह है कि वे स्वयं की कमजोरियों को स्वीकार ही नहीं कर पाते। अगर एक व्यक्ति जो स्वयं सही मायनों में ज्ञानी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

2. नहीं है, तो उसे ज्ञानी बनने के लिए सर्वप्रथम इस बात को स्वीकार करना पड़ेगा कि वह अज्ञानी है, तथा अभी उसे कुछ नया ज्ञान प्राप्त करने की आवश्यकता है।

इसी कारण सुकरात महोदय ने कहा था कि "सर्वप्रथम अज्ञानी हो, इस बात को स्वीकार करो; अज्ञान दूर करने के लिए ज्ञान की प्राप्ति करो और ज्ञान प्राप्ति ही सद्गुणी बनाएगा, जिससे अन्ततः प्रसन्नता मिलेगी।"

वर्तमान में चाहे युवा हों या प्रौढ़, कोई भी अपने भीतर झाँकना नहीं चाहता, पर दूसरों की कमियां ढूंढ़कर स्वयं को ज्ञानी समझने की भूल कर रहे हैं; यही वजह है कि सही मायनों में

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सच्चाई से अछूते रह जाते हैं और एक वहम को सत्य समझकर कई पूर्व धारणाएँ मन में बना लेते हैं। यही पूर्वग्रह एक दिन समाज के अन्य लोगों के लिए समस्या बनकर खड़े हो जाते हैं।

उदाहरण के लिए, शाकाहार व मांसाहार पर बहस। जो व्यक्ति सुकरात के दर्शन को जानता होगा वह कभी भी मांसाहार के खिलाफ कुतर्कों के आधार पर समाज के किसी वर्ग विशेष से नफरत नहीं करेगा बल्कि उसमें यह ज्ञान प्राप्त करने की इच्छा होगी कि मांसाहार आखिर शुरू कैसे हुआ? क्या मांसाहार के बिना भी दुनिया में सब ठीक चल सकता है? इस प्रकार उस व्यक्ति

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इस ज्ञान को स्वीकार करने के बाद ही सत्य या तर्क जानने के प्रति रुझान होगा। और जब वह व्यक्ति किसी पुस्तक में या किसी आधिकारिक स्त्रोत से यह ज्ञान प्राप्त करेगा कि, मानव सभ्यता की शुरुआत ही आखेटक मानव से हुई है। कृषक व पशुपालक समाज का विकास आखेटक समाज से ही हजारों वर्षों पश्चात हुआ है, ऐसे में सभी के पूर्वज किसी वक्त मांसाहारी ही थे।

अत: उपरोक्त ज्ञान की प्राप्ति के पश्चात वह व्यक्ति कुतर्कों के आधार पर ~~अब~~ शाकाहार-मांसाहार के मुद्दे पर किसी से नफरत कर समाज की शांति को भंग नहीं करेगा। अत: स्पष्ट है कि आप ज्ञानी इस अर्थ

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

3. में खामी कहलाओगे, कि आप कुछ भी नहीं जानते ताकि सब कुछ जान लेने की इच्छा हमेशा मन में जीवित रहे।

ज्ञान मानव को उदार और सहिष्णु बनाता है; विनयशील बनाता है। इसी लिए सुकरात ने हमेशा ही ज्ञान को सबसे ज्यादा महत्त्व दिया है। और ज्ञान प्राप्ति के संदर्भ मे स्वामी विवेकानन्द ने कहा है,—

> "हमें ऐसी शिक्षा चाहिए जो चरित्र का निर्माण कर सके; मन को शांत कर सके; बुद्धि का विकास कर सके तथा हमें अपने पैरों पर खड़े होने में मदद कर सके।"

परन्तु विडम्बना यह है कि आज बहुत से लोग सही अर्थों में शिक्षित नहीं

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

हैं, क्योंकि अच्छी शिक्षा व्यवहार को बदल कर समाज अनुकूल बनाती है। अच्छी शिक्षा व्यक्ति में ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, तार्किकता, करुणा, संवेदनशीलता, परानुभूति जैसे मानवीय नैतिक मूल्यों का विकास करती है। परन्तु आज हमारे देश-समाज में जितनी भी गलत घटनाएं घटित हो रही हैं, इन्हीं मूल्यों की कमी का परिणाम हैं।

ज्ञान व व्यवहार के संबंध में ex हरबर्ट स्पेंसर ने भी कहा है कि,

> "शिक्षा का उद्देश्य महज ज्ञान ही नहीं, बल्कि व्यवहार होना चाहिए।"

अर्थात हमारी शिक्षा सिर्फ दिखावटी ज्ञानी बनने तक ही सीमित न रहे; लोगों को अपने भाषणों के

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

माध्यम से ज्ञान प्रदर्शन तक ही सीमित न रहे बल्कि हमारा व्यवहार भी उसी अनुरूप होना चाहिए।

भले ही राजनेता हों या सिविल सेवक, सभी को बेहतर जानने की हमेशा आवश्यकता महसूस होनी चाहिए, क्योंकि आज की सर्वोत्तम प्रणालियों से भी बेहतर प्रणालियाँ कल होंगी और उन प्रणालियों का काम समाज व राष्ट्र को देना है, तो निश्चित ही इस तथ्य को स्वीकार करना चाहिए, कि अभी हम कुछ नहीं जानते, अभी बहुत कुछ जानना व करना शेष है।

जिस दौर में विद्युत बल्ब नहीं होते थे, तथा केवल मिट्टी के तेल से जलने वाले लैम्प होते थे, उस वक्त अगर सभी ने यह सोच

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

4. किया होता कि 'मिट्टी के तेल से जलने वाला यह लैम्प ही श्रेष्ठ है, हम अब ज्ञानी हो चुके हैं और आगे इस दिशा में कुछ जानना नहीं चाहते, तो यकीनन कभी विद्युत बल्ब का आविष्कार ही नहीं हुआ होता।

परन्तु यह हमारे मन की अज्ञानता ही है; जो ज्ञान की भूख बढ़ाती है और जाहिर है भूखा व्यक्ति ही खाने की तलाश करता है। इस प्रकार जिन्दगी के प्रत्येक क्षेत्र में बेहतर को प्राप्त करने के लिए अभी जो कुछ है हमारे पास, उसे कमतर आंकना होगा अर्थात भले ही हमें यह लगता होगा कि देश में आर्थिक गतिविधियाँ तेजी से चल रही है तथा हम सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से हैं; परन्तु हमें इस वहम

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

को दूर करने के लिए सत्य को स्वीकार कर लेना चाहिए। हमें मान लेना चाहिए कि अभी तो दुनिया के सामने भारत की अर्थव्यवस्था कुछ भी नहीं है। अभी भी भारत में 25 करोड़ से ज्यादा भारतीय गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने को मजबूर हैं; ताकि हम दुगुनी रफ्तार से विकास पथ की ओर बढ़ सकें।

इस प्रकार महानता को प्राप्त करने के लिए यह स्वीकरना होगा कि अभी हम महान नहीं हैं। यह भाव हमें हमारी कमियों को देखने और उन पर विचारने का अवसर देता है। कमियों पर विचार से ही सुधार का रास्ता दिखाई देता है। भले ही रिश्तों में अनबन की बात ही क्यों न हो, हमारे व्यक्तिगत व पारिवारिक रिश्तों में बेहतरी के लिए

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भी यह भाव हमेशा जरूरी है कि हो सकता है हमसे गलती हुई हो, ताकि कम से कम पलटकर इक अपने व्यवहार पर एक बार पुनः गौर कर लें और उसे दुरुस्त कर रिश्तों को ठीक कर सकें।

स्पष्ट है, व्यक्तिगत खुशी व प्रसन्नता के लिए जिस प्रकार सही ज्ञान की आवश्यकता होती है, वैसे उसी प्रकार यह ज्ञान हमारे पारिवारिक रिश्तों को भी खुशहाल बनाता है, बशर्ते ज्ञान प्राप्ति की भूख रहे, अर्थात् हम अज्ञानता को स्वीकार करने में सहज हों। यह भावना व्यक्तियों को एक बेहतरीन मानव पूँजी बना सकती है, जिससे अन्ततः देश प्रगतिशील मार्ग पर चलते हुए एक समावेशी व धारणीय विकास को प्राप्त कर सकेगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

8.

साहस यह जानता है कि किससे नहीं डरना है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

प्लेटो ने अपने सार्वभौमिक सद्गुण वाले सिद्धान्त में व्यक्ति में चार मूलभूत गुण बताये हैं, जिनमें से एक है- साहस। बाकी तीन अन्य हैं- विवेक, संयम तथा न्याय।

परन्तु प्लेटो के शिष्य अरस्तू ने गुणों/मूल्यों की इस 'सार्वभौमिकता' को खारिज करते हुए कहा कि साहस जैसे मूल्य समय-काल-परिस्थितियों के अनुरूप होते हैं अर्थात् प्रत्येक जगह 'साहस' का अलग-अलग अर्थ होगा। कहीं पर आते हुए जंगली जानवर को देखकर न डरना साहस हो सकता है, तो कहीं पर घर की प्रताड़ना पर खुल कर बोलना एक गृहणी के लिए साहस हो सकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

इसी प्रकार एक व्यक्ति विशेष के लिए बिना डरे ट्राफिक नियमों का उल्लंघन करके चला जाना कतई साहस नहीं हो सकता।

अतः 'साहस' डरने या न डरने के भाव से ही नहीं, बल्कि किससे डरने या न डरने से भी संबंधित है। गलत कार्य करते वक्त अपनी अन्तरात्मा से डरना फिर भी साहस हो सकता है, परन्तु इनकम टैक्स की चोरी करके नेताजी का भ्रष्टाचार विरोधी आक्रोश निडरतापूर्वक जोशीला भाषण कायरता हो सकती है। जो व्यक्ति घर में स्वयं पत्नी पर हाथ उठाता हो, उनका बस या मेट्रो में किसी लड़की विशेष के मामले में किसी लड़के को पीट रही भीड़ में

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

शामिल हो जाना भी साहस नहीं है। बल्कि साहस इस अर्थ में है कि किससे नहीं डरना है। 'गलत' से न डरना साहस होता है, परन्तु किसी से भी न डरना कभी साहस नहीं हो सकता।

19वीं शताब्दी के अंतिम दो दशकों में महात्मा गांधी अपनी जन्मभूमि से हजारों मील दूर दक्षिण अफ्रीका में अंग्रेजों की रंग भेद नीति के खिलाफ लड़ाई लड़ते रहे। वे दूसरे देश में थे, तथा लड़ाई भी उनकी व्यक्तिगत नहीं थी, बल्कि प्रवासी भारतीयों के अत्याचारों के खिलाफ अंग्रेजों के विरुद्ध सत्याग्रह करना उनका साहस था।

गाँधीजी ने भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन में भी कभी डंडे या बन्दूक

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

6. को बात नहीं की, बल्कि सत्य पर अड़े रहकर देश को आजादी दिलवाना भी वास्तव में साहस था।

परन्तु किसी घर में एक छोटे बच्चे द्वारा चोरी के आरोप में डांट खाते वक़्त बेख़ौफ़ खड़े रहना, अपनी गलती को स्वीकार कर पुनः न दोहराने की प्रतिज्ञा न करना "साहस" नहीं हो सकता। इस मामले में बच्चे का डरना, अपने किए पर पछताना, रोना और पुनः गलती न करने का भाव रखना ही साहस होगा।

'साहस' एक सद्गुण या मूल्य है। इस मूल्य के निर्माण में अनेक कारकों की भूमिका होती है। ये कारक परिवार, परम्पराएं, सांस्कृतिक परिवेश, मित्र मण्डली, विद्यालय या किसी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

स्थान विशेष की भौगोलिक दशाएं भी हो सकती हैं।

माता जीजाबाई की कहानियाँ सुन-सुन कर शिवाजी के साहसी बालक के रूप में बड़े हुए। उनके लिए मातृ भूमि की रक्षा के लिए लड़ते हुए प्राण त्याग देना ही 'साहस' था।

रामायण कथा में श्रीराम द्वारा अपनी ~~प्रिय~~ पत्नी को त्याग देने के पश्चात पत्नी विरह वेदना में विलाप करना, पलंग पर न सोकर जमीन पर सोना भी एक प्रकार का साहस ही था। क्योंकि उन्होंने प्रेम के सत्य को स्वीकार कर लिया था तथा सत्य को स्वीकार करना भी साहस है।

नेपोलियन बोनापार्ट ने कहा था कि मुझे हजार हथियारधारी घुड़सवारों से ज्यादा डर चार विरोधी पत्रकारों से लगता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

अर्थात साहस का अर्थ हमेशा ताकत से ही नहीं होता है, बल्कि कुछ भी गलत करते हुए डरना भी कायरता नहीं होती है।

सीमा पर खड़ा सैनिक दुश्मन से नहीं डरता है, बल्कि सामना करता है। खेत में सिंचाई करता हुआ किसान सर्द रातों की ठण्ड व जेठ की धूप से नहीं डरता है। अर्थात अपने कर्त्तव्य पालन में निडरता साहस है।

प्रयोगशाला में अनुसंधान कर रहा शोधार्थी परिणाम से नहीं डरता है, बल्कि अपने कर्त्तव्य का पालन करता जाता है, और अन्ततः सफल हो जाता है। महान वैज्ञानिक एडिसन के जीवन से इस तथ्य को समझा

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

जा सकता है। कहते हैं, बल्ब का आविष्कार करने से पहले वे सैकड़ों बार असफल हुए थे, परन्तु घबराये नहीं और अन्ततः सफल हुए।

अनेक चुनौतियों और लम्बे आन्दोलन के पश्चात 2005 में सूचना का अधिकार अधिनियम पारित हो पाया, जिसने देश के लोगों को लोकतांत्रिक शक्ति दी है, और प्रशासन में पारदर्शिता व ~~अका~~ जवाबदेहिता को बढ़ाया है। रोज देखते हैं, देश में अनेक R.T.I. कार्यकर्ताओं को डराया जाता है, धमकाया जाता है, यहाँ तक कि हत्याएं भी कर दी जाती हैं।

परन्तु फिर भी देश में RTI कार्यकर्ता जनता के हितों की खातिर अपना कर्त्तव्य निभा रहे हैं; वे डरे नहीं हैं, यही साहस है। इस साहस

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

के पीछे एक मजबूत प्रेरणा होती है। यह प्रेरणा देशभक्ति हो सकती है, या मानव सेवा। साहस के पीछे प्रेरणा जो भी हो, परन्तु यह जानता है कि किससे नहीं डरना है।

'साहस' का एक अन्य पहलू "क्षमा" भी होता है। अगर किसी व्यक्ति को उसकी गलती के लिए हम क्षमा कर देते हैं, तो यह कदम साहसपूर्ण कहलाता है। इसीलिए प्रसिद्ध कवि रामधारी सिंह दिनकर ने लिखा है:—

> "क्षमा शोभती उस भुजंग को,
> जिसके पास गरल है।"

अर्थात एक समर्थशील, हिम्मतवाला वीर ही किसी को क्षमा करने

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

का साहस कर सकता है। और क्षमा से रिश्ते सुधर सकते हैं। इस प्रकार साहस अप्रत्यक्ष रूप से रिश्तों को बेहतर बनाने वाला एक सद्गुण है।

प्राचीन और मध्यकाल में स्त्रियों की दशा दयनीय थी। समाज पुरुष प्रधान था। अपनी झूठी शान तथा परम्पराओं के नाम सती प्रथा, घूंघट प्रथा, बालविवाह जैसे अत्याचार कर महिलाओं को एक वस्तु की तरह उपयोग किया गया, तथा महिलाओं को समाज ने मात्र एक उपभोग की वस्तु समझा। यह पुरुष समाज की कायरता थी।

परन्तु राजाराम मोहनराय, दयानन्द सरस्वति और ज्योतिबा फुले जैसे पुरुषों ने साहस दिखाया और महिलाओं की शिक्षा व सामाजिक आजादी की वकालत की। उसी साहस ने महिलाओं को बराबरी का अधिकार दिलवाया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

8. वर्तमान समय मे भी बहुत सी बच्चियाँ हैं जो अपने परिजनो के डर के चलते बाल-विवाह का विरोध नहीं कर पाती हैं। उसी डर के चलते आज राजस्थान के कई गाँवों में आटा-साटा प्रथा बन चुकी है, जिसमे बेमेल विवाह हो रहे हैं और लड़कियाँ डर रही हैं, इसलिए चुप हैं। यह डर साहस नही है।

इस मामले मे न केवल बच्चियों का डर कायरता है, बल्कि पुरुष समाज जो इन सब का साक्षी है, वह भी कायर है, क्योंकि बेमेल विवाहों मे कन्याओं को जीवन भर कष्ट सहना पड़ता है। उन कन्याओं के लिए तो क्या चौदहवीं सदी, क्या इक्कीसवीं।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

अत: साहस ही समस्या का हल है। बेटियों को इस प्रथा के खिलाफ बोलने का साहस दिखाना ही होगा।

साथ ही वह परिवार मुखिया जिसके बेटे की शादी बिना 'आटा-साटा' के नहीं हो रही, उसे अपने बेटे को बिन ब्याहा रखने का साहस दिखाना होगा, ताकि उसके पैंतीस या चालीस वर्ष के बेटे की शादी किसी तेरह वर्षीय बच्ची से न हो।

निष्कर्षत: साहस समस्याओं का हल है। साहस एक मूल्य है बशर्ते दुस्साहस न बने। कभी कभी अपनी गलतियों को स्वीकार कर लेना भी साहस है, तो किसी को क्षमा करना भी साहस है। साहस पारिवारिक रिश्तों के साथ-साथ राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों को भी

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

मजबूत बनाता है। साहस से ही भूत में कुरीतियों का नाश हुआ है, तथा साहस ही भविष्य की कुप्रथाओं से समाज को बचाकर रख सकेगा।

वर्तमान में सभी भारतीयों को, विशेषकर महिलाओं को बड़े सपने देखने का साहस दिखाना ही होगा, ताकि राष्ट्र का समावेशी विकास सम्भव हो सके और भारत आने वाले दशक में एक समृद्धिशाली विकसित राष्ट्र बनें।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

9.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation